पीएचडीसीसीआई के १४वें अंतर्राष्ट्रीय विरासत पर्यटन सम्मेलन में समुदाय-संचालित सांस्कृतिक पर्यटन और नीतिगत नवाचार का आह्वान

PIB Delhi

वडोदरा के लक्ष्मी विला पैलेस की भव्य पृष्ठ भूमि में, पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) ने २५ जुलाई २०२५ को केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय, गुजरात पर्यटन, दिल्ली पर्यटन, इंडिगो और आईआरसीटीसी के सहयोग से अपना १४वां अंतर्राष्ट्रीय विरासत पर्यटन सम्मेलन आयोजित किया। '.ख़याल विरासत का' विषय पर आधारित यह सम्मेलन विरासत-आधारित पर्यटन के क्षेत्र में संवाद, कार्रवाई और वकालत के लिए एक जीवंत मंच के रूप में काम किया। इस सम्मेलन में नीति निर्माताओं, गणमान्य हस्तियों, राजनयिकों, संरक्षण वास्तुकारों, पर्यटन पेशेवरों, खाद्य इतिहासकारों और सांस्कृतिक संरक्षकों की एक प्रतिष्ठित सभा आयोजित की गई, जिसमें आर्थिक पुनरुद्धार, सामुदायिक विकास और सांस्कृतिक निरंतरता के लिए भारत की समृद्ध विरासत का लाभ उठाने पर विचार-विमर्श किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए, गुजरात सरकार के पर्यटन, नागरिक उड्डयन, देवस्थानम प्रबंधन एवं तीर्थयात्रा सचिव श्री राजेंद्र कुमार (आईएएस) ने समावेशी विरासत पर्यटन के लिए गुजरात के सक्रिय दृष्टिकोण पर जोर डालते हुए कहा, 'हम न केवल स्मारकों का जीर्णोद्धार कर रहे हैं, बल्कि नौकरियों, बुनियादी ढांचे और सांस्कृतिक गौरव के माध्यम से स्थानीय समुदायों को प्रत्यक्ष लाभ भी सुनिश्चित कर रहे हैं।'

वडोदरा की शाही विरासत का प्रतिनिधित्व करते हुए, बड़ौदा के महाराजा समरजीतसिंह गायकवाड़ ने विरासत संरक्षण में प्रासंगिकता के महत्व पर जोर

दिया। उन्होंने कहा, 'विरासत को केवल पुरानी यादों के माध्यम से नहीं, बल्कि अगली पीढ़ियों को इसके साथ जोड़ते हुए जीवित रखा जाना चाहिए।'

भारत पर्यटन मुंबई के क्षेत्रीय निदेशक श्री मोहम्मद फारूक ने स्वदेश दर्शन २.० और प्रसाद जैसी प्रमुख योजनाओं के माध्यम से पर्यटन मंत्रालय की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला, जो व्यंजनों, लोककथाओं, शिल्प और त्योहारों के माध्यम से पर्यटन स्थलों को जोड़ती हैं। पीएचडीसीसीआई की पर्यटन समिति के सह-अध्यक्ष श्री राजन सहगल ने मुख्य भाषण देते हुए कहा, 'विरासत पर्यटन पहचान, अर्थव्यवस्था और सशक्तिकरण से जुड़ा है। हमारा उद्देश्य नीतिगत नवाचार को गति देना और सार्वजनिक-निजी भागीदारी को बढ़ावा देना है।'

इस कार्यक्रम में महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय के छात्रों ने औपचारिक सरस्वती वंदना के जरिए सांस्कृतिक माहौल तैयार किया। इसके बाद पीएचडीसीसीआई-केपीएमजी हेरिटेज टूरिज्म रिपोर्ट का लोकार्पण किया गया, जिसमें विरासत संपत्तियों के पुनरुद्धार में सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) की भूमिका पर जोर दिया गया।

मुख्य सत्र और मुख्य अंशः

भव्य गुजरात मॉडलः चर्चा में शामिल लोगों ने कारीगरों की सहभागिता से लेकर निर्मित विरासत के अनुकूल पुनः उपयोग तक समुदाय-केंद्रित प्रथाओं को साझा किया।

शेखावाटी विरासतः निजी विरासत मालिकों और पुनर्स्थापना ढांचे के लिए चुनौतियों और प्रोत्साहनों पर चर्चा की गई।

पाककला पर्यटनः प्रोफेसर पुष्पेश पंत और प्रसिद्ध शेफ के साथ, सत्र में भोजन को एक सांस्कृतिक कलाकृति और कम उपयोग की जाने वाली पर्यटन संपत्ति के रूप में पेश किया गया।

दोपहर का पारंपरिक गुजराती भोजन - शेफ प्रीतेश राउत ने 'बापोर नु भोजन' तैयार किया जो गुजरात की पाक विरासत की कहानियां बताता है।

केस स्टडी - डॉ. अमिता सिन्हा ने चंपानेर-पावागढ़ प्रस्तुत किया जिसमें सामुदायिक पर्यटन और यूनेस्को साइट पुनर्स्थापन पर जोर दिया गया।

सांस्कृतिक संरक्षक के रूप में महिलाएंः राधिकाराजे गायकवाड़ और कादम्बरीदेवी जडेजा ने महिलाओं के नेतृत्व वाले पर्यटन उपक्रमों के लिए समर्थन का आग्रह किया।

वास्तुकला एवं कहानी-वाचनः विरासत स्थलों के प्रति युवाओं को आकर्षित करने के लिए प्रौद्योगिकी और समावेशी कथाओं के उपयोग की वकालत की गई।

हेरिटेज परिवहनः विंटेज गतिशीलता को एक गतिशील पर्यटन अनुभव के रूप में रेखांकित किया गया तथा पुनर्स्थापना अनुदानों का आह्वान किया गया।

सम्मेलन में २५ से अधिक बी२बी बैठकें भी शामिल थीं, जिनमें पर्यटन बोर्ड, आतिथ्य क्षेत्र के दिग्गजों और सांस्कृतिक उद्यमियों को आपस में जोड़ते हुए विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाएं तलाशी गई। यह सम्मेलन मान फ्लीट पार्टनर्स, एडीटीओआई, एफएचआरएआई, एचटीए गुजरात, आईएटीओ, टीएआई, वीटीए और पीएचडीसीसीआई वार्षिक कॉर्पोरेट साझेदारों के सहयोग से आयोजित किया गया, जिसमें मैनकाइंड फार्मा, केएलजे रिसोर्सेज, यशोदा हॉस्पिटल्स, जेके टायर और अन्य शामिल रहे।

Published in: Swarnim Mumbai (Monthly Hindi Magazine)
Issue: August 2025 | Date: 5th August 2025 | Page No:23